Hindi Murli Quiz 18-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) बड़े ते बड़ा आपघात कौन सा है -

A. बाप की मत पर न चलना |
B. ट्रेटर बन जाना |
C. बाप को और पढ़ाई को छोड़ना |
D. आत्म हत्या |

Q.2) देही-अभिमानी बनने की मेहनत कौन कर सकते हैं? देही-अभिमानी की निशानियाँ सुनाओ?

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. जिनका पढ़ाई से और बाप से अटूट प्यार है वह देही-अभिमानी बनने की मेहनत कर सकते हैं।
B. वह शीतल होंगे, किसी से भी अधिक बात नहीं करेंगे, उनका बाप से लव होगा, चलन बड़ी रॉयल होगी।
C. वह सुखदाई होंगे। हर कदम श्रीमत पर उठायेंगे।
D. उन्हें नशा रहता कि हमें भगवान पढ़ाते हैं, हम उनके बच्चे हैं।

Q.3) समझो बाबा खेल रहे हैं, अनायास कोई आ जाते हैं तो बाबा झट वहाँ से चले जायेंगे |

A. True / ये वाक्य सही है
B. False / ये वाक्य गलत है

Explanation: समझो बाबा खेल रहे हैं, अनायास कोई आ जाते हैं तो बाबा झट वहाँ ही उनको नॉलेज देने लग पड़ेंगे।

Q.4) अंधों की लाठी बनना है अर्थात

A. यज्ञ में रहकर स्थूल सर्विस करनी है |
B. रूहानी सर्विस करनी है |
C. अंधों की जाकर सेवा करनी है |

Q.5) यह पहला- पहला मिसाल है। किस बात में ?
(वैसे तो ब्रह्मा बाबा हर बात में पहले हैं परन्तु आज बाबा ने किस चीज़ की बात करी)

A. यह बाबा भी पुरुषार्थ करते हैं |
B. यह बाबा भी ट्रस्टी है |
C. इसने सब कुछ उनको दे दिया, वारिस बना दिया।

Q.6) ' कमबख्त ' - यह शब्द बाबा ने आज किसके लिए प्रयोग किया है ?

A. जो रोज़ मुरली नहीं पढते |
B. जो सर्विसेबुल नहीं हैं |
C. बाप का बनकर और फिर फारकती देने वाले |

Q.7) ऐसे , साथ में बैठ सकते हैं। रिगार्ड उन्हों को बहुत नहीं चाहिए। निर्माण हैं तो फिर चांदी आदि का सिंहासन भी छोड़ देते हैं ।

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Explanation: ऊपर सिंहासन पर बिठाना पड़े। ऐसे नहीं, साथ में बैठ सकते हैं। नहीं, रिगार्ड उन्हों को बहुत चाहिए। निर्माण हो तो फिर चांदी आदि का सिंहासन भी छोड़ दें। बाप देखो कैसे साधारण रहते हैं। कोई भी जानते नहीं।

Q.8) आज के स्लोगन अनुसार -
__ बनकर हर कर्म करो तो सफलता सहज मिलती रहेगी।

A. त्रिकालदर्शी
B. मास्टर रचयिता
C. निमित्त

Q.9) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --(वरदान पर आधारित)

	Choice	Match

A	निमित्तपन की स्मृति से	माया का गेट बन्द करने वाले डबल लाइट भव!
B	जो सदा स्वयं को निमित्त समझकर चलते हैं	उन्हें डबल लाइट स्थिति का स्वत:अनुभव होता है।
C	करनकरावनहार करा रहे हैं, मैं निमित्त हूँ	इसी स्मृति से सफलता होती है।
D	मैं पन आया अर्थात्	माया का गेट खुला
E	निमित्त समझा	माया का गेट बन्द हुआ।
F	यही स्मृति	नम्बरवन लेने का आधार बन जाती है।

Q.10) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	हनूमान भी जुत्तियों में जाकर बैठता था ना। उसका भी रहस्य है ना।	तरस पड़ता है।
B	इन बैजेज का बाबा को बहुत कदर है।	इनमें बहुत अच्छा ज्ञान भरा हुआ है।
C	थोड़ी मत ली तो	हल्का पद पायेंगे।
D	यह बेहद की राजधानी स्थापन हो रही है।	इसमें खर्चे आदि की भी कोई बात नहीं है।
E	कोई-कोई के लिए ख्याल रहता है-यह शायद टूट पड़े। सरकमस्टांश ऐसे हैं।	देह का अहंकार बहुत चढ़ा हुआ है।
F	बहुतों की गंदी चलन हो पड़ती है।	आज्ञा का उल्लंघन करते हैं।